National Seminar on 'Bhagwad Gita in the Indian Knowledge System'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 10-05-2024**

जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता : प्रो. मार्कंडेय आहूजा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में श्री मद्भगवत गीता विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक व गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने की।

आयोजन के मुख्य वक्ता डॉक्टर मार्कंडेय आहूजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ है। बाल गंगाधर तिलक, भगत सिंह, बंकिम चंद्र चटर्जी ने भागवत गीता का पाठ किया तथा उन्होंने गीता के द्वारा राष्ट्रीय क्रांति में अपना योगदान दिया। वक्ता ने अपने संबोधन में मनोवृत्ति, साहस, संप्रेषण, बदलाव, दृढ़ता, समानता, लक्ष्य केंद्रित रहने की सीख प्रतिभागियों को दी। मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गीता के गूढ़ ज्ञान से अवगत कराया। मार्कंडेय आहूजा ने यहां तक कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम से यदि गीता को हटा दिया जाए तो यह फीका हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए उन्होंने गीता को आत्मक्रांति का माध्यम बताया जिसके जरिए वे समाज, देश व दुनिया की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है। गीता के कारण ही महाभारत का युद्ध अन्य सभी युद्धों से अलग है। वक्ता ने बताया कि गीता का सर्वप्रथम अंग्रेजी

अनुवाद वारेन हेस्टिंग्स ने किया जिसके कारण गीता विदेश की धरती पर पहुंची और जन-जन के लिए कल्याणकारी बनी। गीता हमें अपनी शक्ति से परिचय कराती है। गीता से ही हमारे अंदर साहस संप्रेषण की कला बदलाव गुरु के प्रति कृतज्ञता आदि का भाव उत्पन्न करती है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम मुख्य वक्ता प्रो. मार्कंडेय आहूजा के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान से अवश्य ही विद्यार्थी लाभांवित होंगे। कुलपति ने अपने संबोधन में गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है। कुलपति ने इस मौके पर मनोवृत्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिभा की कमी नहीं है, बशर्ते उसका सर्वोत्तम उपयोग करने का हुनर हो। अपने संबोधन के अंत में प्रो. टकेश्वर कुमार ने सभी प्रतिभागियों को अपने इतिहास पर गर्व कर आगे बढ़ने और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रेरित किया। स्वागत भाषण में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि गीता हमारे पाठ्यचर्या गतिविधियों से विषयांतर नहीं है बल्कि गीता हमारे पाठ्यक्रम में ही सम्मिलित है।इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अशोक कुमार व डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-05-2024**

जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता : मार्कंडेय

हकेंवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में वीरवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रीमद्भागवत गीता विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. मार्कंडेय आहूजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ है। समूचे विश्व को जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता। बाल गंगाधर तिलक, भगत सिंह, बंकिम चंद्र चटर्जी ने भागवत गीता का पाठ किया व उन्होंने गीता के द्वारा राष्ट्रीय क्रांति में अपना योगदान दिया।

वक्ता ने अपने संबोधन में मनोवृत्ति, साहस, संप्रेषण, बदलाव, दृढ़ता, समानता, लक्ष्य केंद्रित रहने की सीख प्रतिभागियों को दी। विद्यार्थियों के लिए उन्होंने गीता को आत्मक्रांति का माध्यम बताया, जिसके जरिए वे समाज, देश व दुनिया की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है।

यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. मार्कंडेय। स्रोत: हकेंवि

गीता के कारण ही महाभारत का युद्ध अन्य सभी युद्धों से अलग है।गीता विदेश की धरती पर पहुंची और जन-जन के लिए कल्याणकारी बनी। गीता हमें अपनी शक्ति से परिचय कराती है।विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक व गुरुग्राम विश्वविद्यालय गुरुग्राम के पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने अपने संबोधन में गुरु की

गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ

महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। कुलपति ने इस मौके पर मनोवृत्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिभा की कमी नहीं है, बशर्ते उसका सर्वोत्तम उपयोग करने का हुनर हो। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी प्रतिभागियों को अपने इतिहास पर गर्व कर आगे बढ़ने और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रेरित किया।

हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि गीता हमारे पाठ्यक्रम में ही सम्मिलित है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने कहा गीता के द्वारा ही मनुष्य कर्तव्य निष्ठ होकर अपने मार्ग पर चल सकता है। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की सहआचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अशोक कुमार व डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-05-2024**

हकेंवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा बोले-

जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रीमद्भागवत गीता विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक व गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

डॉक्टर मारकंडेय आहूजा ने कहा कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को गीता के गूढ़ ज्ञान से अवगत कराया। मार्कंडेय आहुजा ने यहां तक कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम से यदि गीता को हटा दिया जाए तो यह फीका हो जाता है। उन्होंने कहा गीता जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है।

स्वागत भाषण में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह यादव ने दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की सहआचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अशोक कुमार व डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 10-05-2024**

हकेवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता : प्रो. मार्कंडेय आहूजा

महेंद्रगढ़, चेतन ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में श्री मद्भागवत गीता विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक व गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के मुख्य वक्ता डॉक्टर मारकंडेय आहूजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ है। बाल गंगाधर तिलक, भगत सिंह, बंकिम चंद्र चटर्जी ने भागवत गीता

का पाठ किया तथा उन्होंने गीता के द्वारा राष्ट्रीय क्रांति में अपना योगदान दिया। वक्ता ने अपने संबोधन में मनोवृत्ति, साहस, संप्रेषण, बदलाव, दृढ़ता, समानता, लक्ष्य केंद्रित रहने की सीख प्रतिभागियों को दी। मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गीता के गूढ़ ज्ञान से अवगत कराया। मार्कंडेय आहुजा ने यहां तक कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम से यदि गीता को हटा दिया जाए तो यह फीका हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए उन्होंने गीता को आत्मक्रांति का माध्यम बताया जिसके जरिए वे समाज, देश व दुनिया की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है। गीता के कारण ही महाभारत का युद्ध अन्य सभी युद्धों से अलग है। वक्ता ने बताया कि गीता का सर्वप्रथम अंग्रेजी अनुवाद वारेन हेस्टिंग्स ने किया जिसके कारण गीता विदेश की धरती पर पहुंची और जन-जन के लिए कल्याणकारी बनी। गीता हमें अपनी शक्ति से परिचय कराती है। गीता से ही हमारे अंदर साहस संप्रेषण की कला बदलाव गुरु के प्रति कृतज्ञता आदि का भाव उत्पन्न करती है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम मुख्य वक्ता प्रो. मार्कंडेय आहूजा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 10-05-2024**

A one-day National Seminar was organized in CUH

May 09, 2024 06:58 PM

MAHENDERGARH-A one-day national seminar on Srimadbhagwat Gita in the Indian Knowledge System was organized at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In this seminar organized by the Department of Hindi. Prof. Markandey Ahuja, Former Vice Chancellor of Baba Mastnath University, Rohtak and Gurugram University, Gurugram was present as the Keynote speaker. This program was presided over by the Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana.

Prof. Markandey Ahuja said that Gita shows the way of life to the entire world. For the students, he described the Gita as a means of self-revolution, through which they can pave the way for the betterment of the society, the country and the world. The keynote speaker taught the participants about attitude, boldness, communication, change, determination, equality and focus on your work.

Prof. Tankeshwar Kumar said that the students will definitely benefit from the knowledge imparted by the Prof. Markandey Ahuja. He said that the Gita also shows us the way to choose the best Guru. If we get a worthy Guru in life, then success is not difficult. Prof. Tankeshwar Kumar inspired all the participants to be proud of their history and move forward and pave the way for the future.

At the beginning of the program welcome speech was given by Prof. Birpal Singh while the topic of the seminar was introduced by the Convener Dr. Kamaraj Sindhu. At the end of the program Dr. Kamlesh Kumari proposed vote of thanks. On this occasion Prof. Nand Kishore, Prof. Antresh Kumar, Dr. Dinesh Kumar, Prof. Dinesh Chahal, Dr. Ashok Kumar, Dr. Siddharth Shankar Rai and a large number of students, researchers were present.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 10-05-2024**

जीवन जीने की राह दिखाने वाला ग्रंथ है गीता : मार्कंडेय

हकेवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत/मोहन) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में श्री मद्भागवत गीता विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक व गुरुग्राम विश्व विद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

आयोजन के मुख्य वक्ता डॉक्टर मारकंडेय आहूजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोक हमारे जीवन के आधार स्तंभ है। बाल गंगाधर तिलक, भगत सिंह, बंकिम चंद्र चटर्जी ने भागवत गीता का पाठ किया तथा उन्होंने गीता के द्वारा राष्ट्रीय क्रांति में अपना योगदान दिया। वक्ता ने अपने संबोधन में मनोवृत्ति, साहस, संप्रेषण, बदलाव, दृढ़ता, समानता, लक्ष्य केंद्रित रहने की सीख प्रतिभागियों को दी। मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गीता के गूढ़ ज्ञान से अवगत कराया। मार्कंडेय आहुजा ने यहां तक कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम से यदि गीता को हटा दिया जाए तो यह फीका हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए उन्होंने गीता को आत्मक्रांति का माध्यम बताया जिसके जरिए वे समाज, देश व दुनिया की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है। गीता के कारण ही महाभारत का युद्ध अन्य सभी युद्धों से अलग है। वक्ता ने बताया कि गीता का सर्वप्रथम अंग्रेजी अनुवाद वारेन हेसिंग्टस ने किया जिसके कारण गीता विदेश की धरती पर पहुंची और जन-जन के लिए कल्याणकारी बनी।

गीता हमें अपनी शक्ति से परिचय कराती है। गीता से ही हमारे अंदर साहस संप्रेषण की कला बदलाव गुरु के प्रति कृतज्ञता आदि का भाव उत्पन्न करती है। अंत में कुलपति टंकेश्वर कुमार ने गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता हमें उत्तम गुरु के चयन का भी मार्ग दिखाती है। यदि हमें जीवन में योग्य गुरु प्राप्त होता है तो सफलता मुश्किल नहीं है। कुलपति ने इस मौके पर मनोवृत्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिभा की कमी नहीं है, बशर्ते उसका सर्वोत्तम उपयोग करने का हुनर हो। अपने संबोधन के अंत में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी प्रतिभागियों को अपने इतिहास पर गर्व कर आगे बढ़ने और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रेरित किया।

हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि गीता हमारे पाठ्यचर्या गतिविधियों से विषयांतर नहीं है बल्कि गीता हमारे पाठ्यक्रम में ही सम्मिलित है। गीता के माध्यम से ही हम स्वयं को पहचान सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने कहा कि गीता के द्वारा ही मनुष्य कर्तव्य निष्ठ होकर अपने मार्ग पर चल सकता है। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की सहआचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अशोक कुमार व डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

नवोदय टाइम्स Fri, 10 May 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75044572

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 13-05-2024**

SEMINAR HELD ON BHAGAVAD GITA

Mahendragarh: A one-day national seminar on Srimad Bhagavad Gita in the Indian Knowledge System was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In this seminar organised by the Department of Hindi, keynote speaker Professor Markandey Ahuja, Former Vice-Chancellor of Baba Mastnath University, Rohtak and Gurugram University, Gurugram, said the Gita shows the way of life to the entire world. For the students, he described the Gita as a means of self-revolution, through which they can pave the way for the betterment of the society, the country and the world. Professor Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana said the Gita also tells one that if they get a worthy Guru in life, then one can achieve anything.

Haryana Tribune Mon, 13 May 2024 https://epaper.tri